



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 76]

नई दिल्ली, बुधस्पातिवार, फरवरी 26, 2009/फाल्गुन 7, 1930

No. 76]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 26, 2009/PHALGUNA 7, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2009

सं. 151 (आर.ई.-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/982/एम 09/पीसी 4.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा, प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) (आर.ई.-2008) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैरा 3.23.10 के बाद निम्नलिखित पैरे जोड़े गए हैं:—

“3.23.11 मुक्त रूप से हस्तांतरणीय ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप की स्वीकृति कमीशन, छूट, यदि कोई हो, सहित निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर दी जाएगी। निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का आकलन पोत लदान बिलों (पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पोत लदान बिल पर, मुक्त विदेशी मुद्रा में घोषित और निर्यात की तिथि पर विनियम की मासिक सीमा शुल्क दर से भारतीय रुपये में परिवर्तित किया जाएगा।) निर्यात की तिथि का निर्धारण प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के पैरा 9.12 के अनुसार किया जाएगा।”

“3.23.12 निर्यात आय की वसूली के संबंध में सभी पूर्व वसूली के मामलों की निगरानी संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा की जाएगी। पैरा 4.45 में निर्दिष्ट प्रक्रिया आवश्यक परिवर्तन सहित अध्याय 3 के तहत जारी मुक्त रूप से हस्तांतरणीय ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप पर पूर्व वसूली आधार पर लागू होगी। तथापि, आधिक्य के समायोजन हेतु पैरा 3.23.13 में दी गई प्रक्रिया का अनुपालन किया जाएगा।”

“3.23.13 (i) पोत लदान बिल (बिलों) जिस पर मूल ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप जारी किया गया था, पर यथा घोषित मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की अपेक्षा यदि मुक्त विदेशी मुद्रा में अर्जित पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य बी आर सी के अनुसार कम है, तो पहले स्वीकृत किए गए अतिरिक्त ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप का समायोजन, किसी भविष्य के दावा (दावों) (डी ई पी बी सहित किसी ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप), से अथवा नगदी जमा करके (सीमा शुल्क शीर्ष में नगदी जमा के प्रमाण के रूप में टी आर जैसा कि पैरा 4.29 में दर्शाया गया है) किया जाएगा। यदि कोई लम्बित दावा नहीं है और ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप के जारी होने के 18 माह के भीतर वसूली के मदे कोई नगदी जमा नहीं है तो लाभभोगी आवेदक को चूककर्ता घोषित कर दिया जाएगा और विदेश व्यापार विकास विनियमन अधिनियम के तहत तत्काल कार्यवाही शुरू की जाएगी।”

(ii) पोत लदान बिल (बिलों) जिस पर मूल ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप जारी किया गया था, पर यथा घोषित मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की अपेक्षा यदि मुक्त विदेशी मुद्रा में अर्जित पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य बी आर सी के अनुसार अधिक है, तो अर्जन की तिथि से 6 माह की अवधि के भीतर पूरक दावे का आवेदन किया जाएगा।”

2. संबंधित आयात - निर्यात प्रपत्र में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं।

(क) ए एन एफ 3 ग में,

(i) मद संख्या 4 में तालिका के तहत, कॉलम 12 के शीर्षक को प्रतिस्थापित करके - 'मुक्त विदेशी मुद्रा में निर्यातों

का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कमीशन और छूट सहित, यदि कोई है) पढ़ा जाए ;

(ii) कॉलम 13 के शीर्षक को 'लियो की तारीख पर विनिमय की सीमा-शुल्क दर' पढ़ा जाए और

(iii) कॉलम 14 के शीर्षक को - भारतीय रुपये में निर्यातों का पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कमीशन और छूट सहित, यदि कोई है), पढ़ा जाए

(ख) ए एन एफ 3 घ और 3 ड. में,

(i) मद संख्या 4 में तालिका के तहत, कॉलम 9 के शीर्षक को प्रतिस्थापित कर - 'मुक्त विदेशी मुद्रा में निर्यातों का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कमीशन और छूट सहित, यदि कोई है) पढ़ा जाए ;

(ii) कॉलम 10 के शीर्षक को 'लियो की तारीख पर विनिमय की सीमा-शुल्क दर' पढ़ा जाए और

(iii) कॉलम 11 के शीर्षक को - भारतीय रुपये में निर्यातों का पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कमीशन और छूट सहित, यदि कोई है), पढ़ा जाए

(ग) एएनएफ 3 ग, 3 घ, 3 ड. और 4 छ के लिए आवश्यक अतिरिक्त दस्तावेज:

यदि आवेदन बीआरसी के बगैर प्रस्तुत किया जाता है, तो आवेदन प्रक्रिया-पुस्तक खण्ड 1 के पैराग्राफ 2.20 के अनुसार बैंक गारंटी विधिक वचनबद्धता के साथ दाखिल करना होगा। विस्तृत दिशा-निर्देश शीघ्र जारी किए जाएंगे।

3. डी ई पी बी हेतु आवेदन से संबंधित पैराग्राफ 4.44 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :-

डी ई पी बी को हस्तांतरणीय पृष्ठांकन के साथ जारी किया जाएगा।

4. प्राप्ति की निगरानी से संबंधित पैराग्राफ 4.45 निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :-

क्षेत्रीय अधिकारी ऐसे सभी मामलों की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए करेगा कि आमदनी निर्धारित समय में हो। यदि कोई आर बी आई विस्तार प्रदान नहीं किया गया है, क्षेत्रीय अधिकारी उसकी प्राप्ति के लिए कार्यवाही शुरू करेगा। ऐसे मामलों में डी ई पी बी धारक (मूल आवेदक) अनुमत शुल्क मुक्त क्रेडिट की मात्रा के बराबर नगद या वैध डी ई पी बी की डेबिट के द्वारा लंबित डी ई पी बी दावे के निस्तारण के लिए जमा करवाएगा। तथापि, यदि उसे डी ई पी बी जारी करने की तारीख से 18 महीने के अंदर जमा नहीं करवाया जाता है, तो आवेदक को इसे 18 महीने की वैधता अवधि समाप्त होने से लेकर जमा करने की तारीख तक ब्याज (यथा अधिसूचित) अदा करना होगा। नकद भुगतान के मामले में, इसे उपरोक्त पैराग्राफ 4.29 में दर्शाए अनुसार सीमा - शुल्क के लेखा शीर्ष में जमा करवाना होगा। यदि मुक्त विदेशी मुद्रा में प्राप्त राशि कम है, तो देय राशि अनुपातिक रूप से कम हो जाएगी।

5. पैराग्राफ 4.45.1 को हटा दिया गया है।

6. पैराग्राफ 4.46 और 4.47 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है :-

4.46 क्रेडिट प्राप्त करने के लिए आवेदन निर्यात की तारीख से 12 महीनों की अवधि अथवा विदेश व्यापार महानिदेशालय वेबसाइट में ई डी आई शिपिंग बिल के विवरण के अप लिंक की तारीख के भीतर, अथवा शिपिंग बिल की प्रिंटिंग/रिलीज की तारीख से तीन महीनों के भीतर, जो भी पहले हो, पोतलदानों के संबंध में जिनके लिए दावा किया गया है, फाइल किया जाएगा।

यदि मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निःशुल्क वसूली बी आर सी के अनुसार शिपिंग बिल (बिलों) में पोत पर्यन्त निःशुल्क से अधिक है, जिस पर मूल डी ई पी बी जारी किया गया था, ऐसे पोत लदानों के लिए जिनके लिए दावा किया गया है, पूरक दावा वसूली की तारीख से छः महीनों की अवधि के भीतर फाइल किया जाएगा।

4.47 जहां कहीं सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा अनन्तिम पोत लदान की अनुमति दी गई है, ऐसे निर्यातों के मद्दे डी ई पी बी केवल सीमाशुल्क कार्यालय द्वारा शिपिंग बिल जारी करने के बाद ही रिलीज किया जाएगा। ऐसे मामलों में, डीईपीबी के लिए आवेदन ऐसे शिपिंग बिल के रिलीज करने की तारीख से छः महीने के भीतर फाइल किया जाएगा।

7. आयात निर्यात प्रपत्र (ए एन एफ) 4 छ में आवेदकों के ब्यौरे से संबंधित क्रम सं० 9 पर तालिका को इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न अनुलग्नक 1 की तालिका के अनुसार प्रतिस्थापित किया जाता है।

8. ए एन एफ 4 छ में आवेदकों के लिए दिशानिर्देशों में क्रम सं० 4(ग) हटा दिया गया है और क्रम सं० 4 के बाद क्रम सं० 5 की एक नई धारा निम्नानुसार जोड़ी जाती है :

"5. प्रक्रिया पुस्तक खण्ड 1 में प्रयोजन के लिए निर्धारित समयावधि के भीतर संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकारी (जिसने डी ई पी बी जारी किया है) को परिशिष्ट 22 क में दिया गया निर्यात एवं वसूली बैंक प्रमाण पत्र अथवा दस्तावेजों के प्रत्यक्ष लेन-देन के मामले में फारेन इन्वर्ड रिमिटैन्ट सर्टिफिकेट (एफआईआरसी) अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से निर्यात लाभों की ऑफसेटिंग के मामले में परिशिष्ट 22 घ प्रस्तुत करना होगा। एफ आई आर सी के मामले में, निर्यातक से एक घोषणा-पत्र छूट शिपिंग बिल (बिलों) सं० दिनांक के मामले में है, भी प्रस्तुत करना होगा। तथापि, निर्यात लाभों की वसूली नहीं लगाई जाएगी यदि पोतलदान अपरिवर्तनीय साख पत्र के मद्दे किए गए हैं अथवा विनिमय बिल बिना किसी शर्त के प्राप्त किया है/सह-स्वीकृत है। बैंक द्वारा गारंटी प्राप्त और यह निर्यातक बैंक द्वारा अनुमोदित है /और परिशिष्ट 22 क के कॉलम 14/15 में बैंक द्वारा प्रमाणित है। स्तरधारकों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र काफी होगा।

टिप्पणी:- यदि आवेदन बीआरसी के बगैर प्रस्तुत किया जाता है, तो आवेदन प्रक्रिया-पुस्तक खंड 1 के पैराग्राफ 2.20 के अनुसार बैंक गारंटी/विधिक वचनबद्धता के साथ दाखिल करना होगा। बीआरसी के बगैर आवेदन किए जाने की यह सुविधा 1.4.2009 से प्रस्तुत किए गए आवेदनों के लिए उपलब्ध होगी। विस्तृत दिशा-निर्देश शीघ्र जारी किए जाएंगे।

9. "डी ई पी बी क्रेडिट उपयोग" से संबंधित पैरा 4.4.2 को "विदेश व्यापार नीति में यथा अधिसूचित" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।

10. निम्नलिखित को परिशिष्ट 7 निर्यात उत्कृष्टता नगर की क्र.सं. 12 के बाद जोड़ा जाता है।

क्र.सं.	निर्यात उत्कृष्टता नगर	राज्य	उत्पाद वर्ग
13	भिलवाड़ा	राजस्थान	वस्त्र
14	सूरत	गुजरात	रत्न और आभूषण

11. पैराग्राफ 5.11.3 का प्रथम उप पैरा को संशोधित कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा: उन क्षेत्रों के निर्यातकों को, जहाँ उस क्षेत्र/उत्पाद समूह के कुल निर्यात में 5% से अधिक की कमी दर्ज की गई है, उन्हें राहत प्रदान करने के लिए, 2008-09 हेतु औसत निर्यात दायित्व को उसी अनुपात में कम किया जा सकता है जिस अनुपात में 2007-08 के मद्दे 2008-09 के दौरान उक्त क्षेत्र/उत्पाद समूह के निर्यात में कमी हुई है।

12. ए.एन.एफ. 8 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:-

(i) क्रम सं० 23 को निम्नलिखित प्रविष्टि से प्रतिस्थापित किया गया है :

“23. आवेदकों के निर्देशों के अनुसार बीजकों की प्रतियाँ”

(ii) आवेदकों के लिए दिशानिर्देशों के पैरा 2(क), 2(ड.) और 3(घ) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

“2(क) ई ओ यू/एस टी पी/ई एच टी पी ईकाइयों के मामले में, चाहे ए. आर.ई. 3 अथवा बाण्ड प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् प्रमाणित आपूर्ति बीजक।”

2(ड.) सी बी ई सी द्वारा उनके परिपत्र सं० 15/2008 दिनांक 26.9.2008 द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सत्यापित बीजक अथवा सत्यापित बीजकों का विवरण। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सत्यापन को सरल बनाने के लिए माल की प्राप्ति की सूचना माल प्राप्त होने के 48 घण्टों के भीतर उक्त प्राधिकारियों को देनी चाहिए। उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सत्यापित संगत ई.आर. 1/ई आर. 3 अथवा शुल्क की अदायगी की पुष्टि का मासिक विवरण।

3(घ) सी बी ई सी द्वारा उनके परिपत्र सं० 15/2008 दिनांक 26.9.2008 द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सत्यापित

बीजक अथवा सत्यापित बीजकों का विवरण । केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सत्यापन को सरल बनाने के लिए माल की प्राप्ति की सूचना माल प्राप्त होने के 48 घण्टे के भीतर उक्त प्राधिकारियों को देनी चाहिए । परिशिष्ट 35 में दिए गए प्रपत्र में डी बी के 3 तथा डी बी के 3 (क) में दर्शाए गए ब्यौरे के समर्थन में, उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सत्यापित संगत ई.आर. 1/ई आर. 3 अथवा शुल्क की अदायगी की पुष्टि का मासिक विवरण ।

13.(क) परिशिष्ट 37 घ में, खेल वस्तुओं, पटाखे और स्टेशनरी मदों की तालिका 2 के बाद, निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:-

(i) तालिका 2 में, क्रम सं. 17 के मद्दे, आईटीसी (एचएस) कोड शीर्षक की कालम में, मौजूदा आईटीसी (एचएस) कोडो 73170091 और 83052000 के साथ, एक नया आई टीसी (एचएस) कोड 84729010 जोड़ा जाता है।

(ii) तालिका 2, क्र.सं. 17 के मद्दे, शीर्षक 'विवरण' (फोरस उत्पादों का) की कालम के साथ, मौजूदा उत्पादों के साथ, एक नया फोरस उत्पाद नामशः स्टेपलिंग मशीनें (स्टेपलर्स) जोड़ा जाता है।

परिणामतः स्टेपलिंग मशीनों (स्टेपलर्स) का निर्यात आईटीसी (एचएस) कोड 84729010) 1.4.2008 से प्रभावी निर्यातों के लिए फोरस उत्पाद लाभों के लिए हकदार होगा।

(ख) क्र.सं. 12 के बाद, परिशिष्ट 37 ड. की तालिका 2 में निम्नलिखित उत्पाद को जोड़ा जाता है:-

तालिका-2

ख. नए हाई-टैक उत्पाद

टिप्पणी: नीचे उल्लेखित नए हाई-टैक उत्पादों पर लाभ निर्यातों के लिए 1.4.2008 से अनुमत किए जाएंगे।

क्र.सं.	एचटीपीईपीएस उत्पाद कोड	आईटीसी (एचएस) कोड	विवरण
13	ज 13	56031200	गैर बने हुए, चाहे इम्प्रेजैनिटिड हो या न हों, कोटिड, कवर्ड या लेमिनेटिड, मानव निर्मित फिलामेंट से बने हुए, 25 ग्राम/एम.2 से अधिक भार मुक्त परंतु 70 ग्राम/मी.2 से अधिक के न हो (आईटीसी एचएस कोड 56031200 के तहत वर्णित)

14.(क) परिशिष्ट 37घ में, तालिका 12 के बाद निम्नलिखित तालिका-13 जोड़ी गई है:

762 GI/09-2

तालिका - 13

एम. विशेष उत्पाद (उत्पादों) / क्षेत्र (क्षेत्रों)

क्रम सं०	फोकस उत्पाद कोड	उत्पाद का विवरण	आई टी सी (एच एस) कोड	निर्यात की अनुमत तिथि
1	13.1	आई टी सी(एच एस) कोड बुक, के अध्याय 57 के तहत शामिल सभी हस्त निर्मित कालीन तथा अन्य टक्सटाइल फ्लोर कवरींग, चाहे मेड अप्स हों अथवा नहीं । टिप्पणी:- शब्द 'हस्तनिर्मित' में हैंड मेड, हैंड नोटेड, हैंड टफ्ट तथा हैंड वोवेन शामिल है ।	57	23.02.2009

(ख) परिशिष्ट 37 में, तालिका 3 में क्रम संख्या 1 से 5 की प्रविष्टियां इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से किए गए नियतों के लिए हटाई जाती हैं ।

(ग). परिशिष्ट 37 में, तालिका 9 में, क्रम सं० 25 (वी.के.जी.यू. वाई उत्पाद कोड 09.25) की प्रविष्टियां तथा क्रम संख्या 26 (वी.के.जी.यू.वाई उत्पाद कोड 09.26) की प्रविष्टियां इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से किए गए नियतों के लिए हटाई जाती हैं ।

15. प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के परिशिष्ट 37 की तालिका 13 में, निम्नलिखित वी के जी यू वाई प्रविष्टि 13.20 के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाता है :

तालिका 13-फूल, फल, सब्जियाँ और अन्य उत्पाद

क्रम सं०	वे के जी यू वाई उत्पाद कोड	आई टी सी एच एस कोड	विवरण	निर्यात की तारीख जिससे लाभ ग्राह्य होंगे
21	13.21		आई टी सी एच एस पुस्तक के आई टी सी एच एस कोड 071220 और 071290 के अन्तर्गत आने वाली शुष्कित सब्जियाँ (शुष्कित मटर, शुष्कित गोभी, शुष्कित बन्द गोभी, शुष्कित आलू (बीज श्रेणी को	1.4.2008

			छोड़कर) शुष्कित प्याज, शुष्कित लहसुन, शुष्कित पालक, शुष्कित गाजर, शुष्कित चुकन्दर)	
--	--	--	--	--

16. 'अन्तर्वर्ती' आपूर्तियों के लिए अग्रिम प्राधिकार या डी.एफ.आई.ए. से संबंधित पैराग्राफ 4.13 के दूसरा उप-पैराग्राफ को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:-

'अन्तर्वर्ती' आपूर्तियों के लिए अग्रिम प्राधिकार या डी एफ आई ए अन्तर्वर्ती विनिर्माता द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले मर्चों के सीधे आयात के लिए प्राधिकार को अवैध ठहराने के बाद जारी किए जाएंगे। ऐसे मामले में, अवैधीकरण पत्र की एक प्रति प्राधिकार धारक को दी जाएगी और उसकी प्रति अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता के साथ-साथ अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता के क्षेत्रीय प्राधिकारी को भेजी जाएगी। प्राधिकार धारक को ऐसे मामले में या तो अग्रिम प्राधिकारी या डी एफ आई धारक को अन्तर्वर्ती उत्पाद आपूर्ति करने या सीधे तौर पर निर्यात (वास्तविक/मान्य) करने का विकल्प होगा। अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता अन्तिम निर्यातक (अग्रिम प्राधिकार या डी एफ आई ए का धारक) द्वारा निर्यात के पत्तन को उत्पाद (उत्पादों) सीधे तौर पर आपूर्ति कर सकता है। ऐसे मामलों में, शिपिंग बिल इस पर पृष्ठांकित अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता के नाम के साथ अन्तिम निर्यातक के नाम पर होगा। तथापि, एक बार क्षेत्रीय प्राधिकारियों के बीच इलेक्ट्रॉनिक संदेश आदान-प्रदान करने की सुविधा पूर्ण रूप से कार्यात्मक हो जाए, तो क्षेत्राधिकारी न्यायाधिकारी क्षेत्राधिकारी को ए आर ओ/अवैधीकरण पत्र की प्रति भेजा आवश्यक नहीं होगी।

17. ए. एन. एफ 4च (विमुक्तिकरण/अग्रिम प्राधिकार पत्र के मद्दे गैर बाण्ड प्रमाणपत्र) में आवेदकों के दिशौ-निर्देश की धारा 3ख.1. के अन्त निम्नलिखित धारा को जोड़ा जाएगा:-

तथापि, प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के पैराग्राफ 4.13 के अनुसार, अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता द्वारा उत्पाद की आपूर्ति अन्तिम निर्यातक (अग्रिम प्राधिकार पत्र अथवा डी एफ आई ए का धारक) द्वारा निर्यात के लिए सीधे, पत्तन को करने के मामले में अन्तिम निर्यातक तथा अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता की फाइल संख्या/प्राधिकार पत्र संख्या सहित पोतलदान बिल की प्रति, जिसमें घरेलू आपूर्तिकर्ता का नाम अन्तर्वर्ती आपूर्तिकर्ता के रूप में पृष्ठांकित हो, प्रस्तुत करना होगा।

18. 'पंजीकरण का पत्तन' से संबंधित पैराग्राफ 4.19 में अधिसूचित समुद्री पत्तनों के अंत में निम्नलिखित पत्तन को जोड़ा जाएगा:-

“कृष्णापत्तनम्”

19. अग्रिम प्राधिकार के मद्दे विमुक्तिकरण/गैर बंध प्रमाणपत्र से संबंधित ए एन एफ 4च की क्रम सं० 3.क.2 के अंत में निम्नलिखित धाराको जोड़ा जाएगा:-

“तथापि 1.4.2009 से प्रभावी ई डी आई पत्तनों से पोतलदान के लिए निर्यात दायित्व की पूर्ति के लिए शिपिंग बिल (बिलों) की हार्ड प्रति प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी”

20. “1.4.2002 से पहले जारी किए गए अग्रिम लाइसेंसों के मद्दे निर्यात दायित्व को पूरा करने” से संबंधित सार्वजनिक सूचना सं० 2 दिनांक 11.4.2008 और सार्वजनिक सूचना सं० 76 दिनांक 2.9.2008 द्वारा यथासंशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 79 दिनांक 2.1.2006 की क्रम सं० 1(v) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

“केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी द्वारा विधिवत प्रति हस्ताक्षरित मोडवैट/सैनवैट नॉन-एवेलमेंट प्रमाणपत्र की एक प्रति या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों से प्रमाण-पत्र ककी उसी फैक्टरी में शुल्कयोग्य वस्तुओं के उत्पादन के लिए आयातित वस्तुओं को या उसके सहायक विनिर्माता की फैक्टरी में प्रयोग किया गया है या ए आर ई 1 या ऐसे दस्तावेज (दस्तावेजों) को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित किया गया है और क्रेडिट सुविधा की गैर-प्राप्ति का मोडवैट/सैनवैट प्रस्तुत करनी होगी । तथापि, ऐसे प्रमाण-पत्र की गैर-शुल्क योग्य उत्पादों के निर्यात के मामले में या लाइसेंस के बदले खेप की निकासी के समय अतिरिक्त सीमाशुल्क कर (उत्पाद-कर) की अदायगी की आवश्यकता सीमाशुल्क अधिसूचना (जैसे 80/95 दिनांक 31.3.95) के तहत अग्रिम लाइसेंस जारी किया गया था के मामले में आवश्यकता नहीं होगी”

21. “ई ओ पी और इसका विस्तार” से संबंधित पैराग्राफ 4.22 (सार्वजनिक सूचना सं० 135 दिनांक 15.01.09 द्वारा यथासंशोधित) में शब्दों ‘24 महीने’ को ‘36 महीनों’ से प्रतिस्थापित किया जाता है ।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

अनुलम्बक 1

9. किए गए निर्यात का विवरण :

क्रम सं०	शिपिंग बिल/ पोस्ट पार्सल रसीद सं०	शिपिंग बिल/ पोस्ट पार्सल रसीद दिनांक	अनुमत निर्यात की तारीख	बीजक सं०	बीजक की क्रम सं०	उत्पाद समूह	डीईपीबी क्रम सं०	मद विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9

मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (अधिकतम 12.5% के कमीशन सहित)	अनुमत निर्यात की तारीख पर विनिमय दर	पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (रु० में)	अधिकतम मूल्य की गणना				
			अधिकतम मूल्य की इकाई में मापन की इकाई	मापन इकाई में निर्यात मात्रा	अधिकतम मूल्य	मापन इकाई में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य	अधिकतम मूल्य
10	11	12 = 10X11	13	14	15	16 = 12/14	17 = [15 और 16 का न्यूनतम] जैसी स्थिति हो

डी ई पी बी दर (% में)	डी ई पी बी हकदारी (बगैर कटौती के) (रु० में)	लागू कटौती (यदि कोई हो) (% में)	वास्तविक डी ई पी बी हकदारी (रु० में)
18	19 = 14 * 17 * 18 / 100	20	21 = 19 * {1 - [20/100]}

नोट :- यदि उत्पाद पर कोई अधिकतम मूल्य नहीं है, अधिकतम मूल्य उपरोक्त तालिका की कॉलम (16) में प्रति मापन इकाई के रूप में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के बराबर होगा। अन्यथा यह कॉलम (15) एवं (16) का न्यूनतम होगा।

762 GI/09-3

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 26th February, 2009

No. 151 (RE-2008)/2004—2009

F. No. 01/94/180/982/AM 09/PC-4.—In exercise of powers conferred under Para 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures (Vol. I) (RE-2008):—

1. The following Paragraphs are added after Para 3.23.10.

“3.23.11: *Freely Transferable Duty Credit scrip shall be granted on FOB value of exports, including commission, discounts, if any. FOB Value of Exports shall be taken from the Shipping Bill (FOB value in free foreign exchange declared on the Shipping Bill and converted into Indian Rupees at the Monthly Customs Rate of Exchange on the date of LEO). Date of export is determined as per Para 9.12 of HBPv1.”*

“3.23.12: *All the pre-realization cases are to be monitored by RA concerned with respect to realization of export proceeds. The procedure prescribed in Para 4.45 shall apply, mutatis mutandis, to freely transferable duty credit scrips issued under Chapter 3 on the pre-realization basis. However for adjustment of excess / short realisation, procedure in Para 3.23.13 is to be followed.”*

“3.23.13:

- (i) *In case the FOB value realized in free foreign exchange is lower as per BRC, when compared to the FOB value in free foreign exchange as declared on the Shipping Bill(s) on which the original duty credit scrip was issued, excess duty credit scrip so granted earlier shall be adjusted from any future claim(s) (of any Duty Credit Scrip, including DEPB), or by way of cash deposit (TR as proof of cash deposit in the Customs Head as indicated in Para 4.29). In case there is no pending claim and there is no cash deposit towards recovery within 18 months of the issuance of duty credit scrip, then beneficiary applicant shall be declared defaulter and action under FTDR act should be initiated immediately.”*

- (ii) *In case the FOB value realized in free foreign exchange is higher as per BRC, when compared to the FOB value in free foreign exchange as declared on the Shipping Bill(s) on which the original duty credit scrip was issued, supplementary claim shall be filed within a period of six months from the date of realization."*

2. Following amendments are made in the relevant ANF:

(a) **In ANF 3C,**

- (i) *In the table under point No. 4, the heading for Column 12 be replaced to read as – 'FOB value of Exports in free foreign exchange (inclusive of commissions and discounts, if any);*
(ii) *The heading for Column 13 be read as 'Customs Rate of Exchange on the date of LEO' and*
(iii) *The heading for Column 14 be read as – FOB value of Exports in Indian Rupees (inclusive of commissions and discounts, if any).*

(b) **In ANF 3D & 3E,**

- (i) *In the table under point No. 4, the heading for Column 9 be replaced to read as – 'FOB value of Exports in free foreign exchange (inclusive of commissions and discounts, if any);*
(ii) *The heading for Column 10 be read as 'Customs Rate of Exchange on the date of LEO' and*
(iii) *The heading for Column 11 be read as – FOB value of Exports in Indian Rupees (inclusive of commissions and discounts, if any).*

- (c) *Additional documents required for ANF 3C, 3D, 3E and 4G: In case the application is filed without BRC, the application shall be accompanied with BG / LUT in terms of Paragraph 2.20 of the HBP v1. Detailed guidelines shall be issued shortly.*

3. Paragraph 4.44 related to application for DEPB stands amended as follows:

DEPB shall be issued with transferable endorsement.

4. Paragraph 4.45 related to monitoring of realization stands amended as follows:

RA shall monitor all such cases so as to ensure that realisation takes place within prescribed time. In case no RBI extension is produced, RA shall initiate action for recovery of the same. In such cases, DEPB holder (the original applicant) shall deposit in cash or through debit of the valid DEPB/ adjustment of pending DEPB claim for an amount equivalent to duty free credit allowed. However in case the same is not deposited within 18 months

from the DEPB issuance date, the applicant shall be required to pay interest (as notified) also from the date of expiry of 18 months till the date of deposit. In case of cash payment, the same shall be deposited in the Head of Account of Customs as stated in paragraph 4.29 above. If amount realized in Free Foreign Exchange is less, then payable amount would be reduced proportionately.

5. Paragraph 4.45.1 stands deleted.

6. Paragraph 4.46 and 4.47 stand replaced by the following:

4.46 Application for obtaining credit shall be filed within a period of twelve months from the date of exports or the date of up linking of EDI shipping bill details in the DGFT website, or within three months from the date of printing / release of shipping bill, whichever is later, in respect of shipments for which claim has been filed.

In case the FOB realisation in free foreign exchange is higher as per BRC than the FOB value in the shipping bill(s) on which original DEPB was issued, supplementary claim shall be filed within a period of six months from the date of realisation, in respect of shipments for which claim has been filed.

4.47 Wherever provisional shipment has been allowed by customs authorities, DEPB against such exports shall be issued only after release of shipping bill by Customs. In such cases, application for DEPB shall be filed within six months from date of release of such shipping bill.

7. Table at Sl No. 9 related to Details of Exports in ANF 4G stands replaced by the table as per Annexure I attached to this Public Notice.

8. Sl No. 4(c) in the guidelines for applicants in ANF 4G stands deleted and a new clause added as Sl No. 5 after Sl No. 4 as follows:

"5. Bank Certificate of Exports and Realisation as given in Appendix 22A or Foreign Inward Remittance Certificate (FIRC) in case of direct negotiation of documents or Appendix 22D in case of offsetting of export proceeds with the approval of RBI shall be required to be submitted to the concerned RA (who had issued the DEPB) within the time period

prescribed for the purpose in the HBP v1. In case of FIRC, a declaration from the exporter that the remittance is in respect of Shipping Bill(s) No. - ----- dated ----- shall also be furnished. However, realisation of export proceeds shall not be insisted if the shipments are made against confirmed irrevocable letter of credit or the bill of exchange is unconditionally Avalised / Co- Accepted / Guaranteed by a bank and the same is confirmed by the exporters bank and certified by the bank in column 14 / 15 of Appendix 22A. For Status holders, irrevocable letter of credit would suffice.

Note: *In case the application is filed without BRC, the application shall be accompanied with BG / LUT in terms of Paragraph 2.20 of the HBP v1. This facility of filing application without BRC shall be available for applications filed w.e.f 1.4.2009. Detailed guidelines shall be issued shortly.*

9. Paragraph 4.42 related to "utilization of DEPB credit" stands replaced by the words "As notified in FTP".

10. The following is added after Sr. No. 12 in Appendix 7 – Towns of Export Excellence.

S.No	Town of Export Excellence	State	Product Category
13	Bhilwara	Rajasthan	Textiles
14	Surat	Gujarat	Gems and Jewellery

11. First sub-paragraph of Paragraph 5.11.3 is amended to read as under:

To provide relief to exporters of those sectors where total exports in that sector / product group has declined by more than 5%, average export obligation for 2008-09 may be reduced proportionate to reduction in exports of that particular sector / product group during 2008-09 as against 2007-08.

12. Following amendments are made in ANF-8:

(i) Sl. No. 23 stands replaced by the following:

"23. Copies of invoices as per guidelines for Applicants."

(ii) *Para 2 (a), 2(e) and 3(d) of guidelines for applicants shall be substituted by the following:*

“2(a) In case of EOU/STP/EHTP units, either ARE-3 or supply invoice duly certified by bond authorities.”

“2(e) Invoices or a statement of invoices attested by Central Excise authorities, as per the procedure prescribed by CBEC in their circular 15/2008-Cus. dated 26.9.2008. To facilitate attestation by Central Excise Authorities, intimation regarding receipt of goods should be given to the said authorities within 48 hours of receipt of goods. Corresponding ER-1 / ER-3 or a monthly statement confirming duty payment, attested by excise authorities.”

“3(d) Invoices or a statement of invoices attested by central excise authorities, as per the procedure prescribed by CBEC in their circular 15/2008-Cus. dated 26.9.2008. To facilitate attestation by Central Excise Authorities, intimation regarding receipt of goods should be given to the said authorities within 48 hours of receipt of goods. Corresponding ER-1/ ER-3 or a monthly statement confirming duty payment, attested by excise authorities, in support of details shown in DBK-III and DBK-III (A) in the format given in Appendix 35.”

13. (a) In Appendix 37D, after Table 2 for Sports Goods, Fire Works and Stationery items, the following amendment is made:

(i) *In Table 2, against Sl. No. 17, in the column with heading “ITC (HS) Code”, a new ITC (HS) code 84729010 is added, in addition to the existing ITC (HS) codes 73170091 and 83052000.*

(ii) *In table 2, against Sl. No. 17, in the column with heading “Description” (of focus products), a new focus product, namely, Stapling machines (Staplers) is added, in addition to the existing products.*

Consequently, export of Stapling machines (Staplers) (ITC (HS) code 84729010) will be entitled for Focus Product benefits on exports made w.e.f 1.4.2008.

(b) In Table 2 of Appendix 37E, after Sl. No. 12 the following Product is added:

Table 2			
B. New High-Tech Products			
Note: Benefits on New High-Tech Products mentioned below shall be granted for exports w.e.f. 1.4.2008			
Sr. No.	HTP EPS Product Code	ITC (HS) Code	Description
13.	H 13	56031200	Non-wovens, whether or not impregnated, coated, covered or laminated, of man-made filaments, weighing more than 25 g / m2 but not more than 70 g/m2 (covered under ITC HS Code 56031200)

14. (a) In Appendix 37D, after Table 12, following Table 13 is added:

Table 13				
M. Special Product (s) / Sector (s)				
Sl. No.	Focus Product Code	Description of Product	ITC (HS) Code	Admissible Date of Exports
1	13.1	All Handmade Carpets and Other Textile Floor Coverings, covered under Chapter 57 of ITC (HS) code Book, whether or not made ups. Note: the expression 'Handmade' would include hand-made, hand-knotted, hand-tufted and hand-woven	57	23.2.2009

(b) In Appendix 37D, in Table 3, Entries at Sl. No. 1 to 5 stand deleted, for exports made from the date of issuance of this Public Notice.

(c) In Appendix 37A, in Table 9, Entries at Sl. No. 25 (VKGUY product code 09.25) and entry at Sl. No. 26 (VKGUY product Code 09.26) stand deleted, for exports made from the date of issuance of this Public Notice.

15. In Table 13 of Appendix 37A of the HBP v1, the following is added after VKGUY entry 13.20.

Table 13. - Flower, Fruit, Vegetables & Other Products				
Sl. No	VKGUY Product Code	ITC HS Code	Description	Date of export from which benefits will be admissible
21	13.21		Dried Vegetables (Dehydrated Peas, Dehydrated Cauliflower, Dehydrated Cabbage, Dehydrated Potatoes (other than seed category), Dehydrated Onions, Dehydrated Garlic, Dehydrated Spinach, Dehydrated Carrots, Dehydrated Beetroot) covered under ITC HS Codes 071220 and 071290 of ITC HS Book.	1.4.2008

16. 2nd sub-paragraph of paragraph 4.13 related to “Advance Authorisation or DFIA for Intermediate Supplies” stands amended as follows:

*“Advance Authorisation or DFIA for Intermediate supply shall be issued after making Authorisation invalid for direct import of items, to be supplied by intermediate manufacturer. In such cases, a copy of the invalidation letter will be given to Authorisation holder and copy thereof will be sent to intermediate supplier as well as RA of intermediate supplier. Authorisation holder in such case has an option either to supply intermediate product to the holder of Advance Authorisation or DFIA or to export (physical / deemed) directly. **Intermediate supplier can also supply the product(s) directly to the port for export by the ultimate exporter (holder of Advance Authorisation or DFIA). In such cases, shipping bill shall be in the name of the ultimate exporter with the name of intermediate***

supplier endorsed on it. However, once Electronic message transfer facility among the RAs becomes fully operational, sending copy of invalidation letter / ARO to jurisdictional RA shall not be required.

17. At the end of clause 3.b.1. of the *Guidelines for Applicants in ANF 4F (Redemption / No Bond Certificate against Advance Authorisation)*, following clause shall be added:

However in case of supply of the product by the Intermediate supplier to the port directly for export by the ultimate exporter (holder of Advance Authorisation or DFIA) in terms of paragraph 4.13 of HBP v1, copy of the shipping bill with the name of domestic supplier as Intermediate supplier endorsed on it along with the file No. / Authorisation No. of the ultimate exporter and the intermediate supplier shall be required to be furnished.

18. Following Port shall be added at the end of Notified Sea Ports in Paragraph 4.19 related to '*Port of registration*':

"Krishnapatnam"

19. At the end of Sl No. 3. a. 2. of ANF 4F related to *Redemption / No Bond Certificate against Advance Authorisation*, following clause shall be added:

"However no hard copy of Shipping Bill(s) shall be required to be filed for EO discharge for shipments from EDI Ports w.e.f 1.4.2009."

20. Sl No. 1(v) of Public Notice No. 79 dated 2.1.2006 as amended vide Public Notice No 2 dated 11.4.08 and Public Notice No. 76 dated 2.9.08 related to "*Discharge of E.O. against advance licences issued prior to 1.4.2002*" stands amended as follows:

"A copy of the MODVAT / CENVAT non-availment Certificate duly counter-signed by Central Excise Authority or a certificate from the Central Excise authorities that imported inputs have been used for the production of dutiable goods in his factory or in the factory of his supporting manufacturer or ARE 1 or similar document(s) duly authenticated by the Central Excise Authority and evidencing non availment of MODVAT/CENVAT credit facility. However, such certificate would not be required

in case of export of non-dutiable products or in case the advance licence was issued under customs notification (such as 80/95 dated 31.3.95 etc.) requiring payment of Additional Customs duty (Excise Duty) at the time of clearance of consignment against the licence."

21. In paragraph 4.22 (as amended vide Public Notice No. 135 dated 15.01.09) related to "EOP and its Extension", the words "24 months" stand replaced by the words "36 months".

This issues in public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
& ex-officio Addl. Secy.

Annexure I

9. Details of export manifest.

S No.	SB* / PPR** No.	SB* / PPR** Date	Date of Let Export	Invoice No.	S.No. of Invoice	Product Group	DEPB Sr. No.	Item Description	FOB Value in free foreign exchange (inclusive of a max of 12.5% commission)	Exchange rate on the date of let export	FOB value (in Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12) = (10) x (11)

* SB – Shipping Bill

** PPR – Post Parcel Receipt

Computation of Capped Value					DEPB rate	DEPB entitlement (without cut)	Cut applicable (if any)	Actual DEPB Entitlement
Unit of Measurement in the unit of value cap	Export Qty in U/M	Value Cap	FOB per U / M	Capped Value	(in %)	(in Rs)	(in %)	(in Rs)
(13)	(14)	(15)	(16) = (12) / (14)	(17) = { minimum of (15) and (16) } or (16) as the case may be	(18)	(19) = (14) * (17) * (18) / 100	(20)	(21) = (19) * { 1 - [(20)/100] }

Note: In case there is no value cap on the product, the capped value would be equal to the FOB value per unit of measurement (U/M) as at Column (16) of the table above. Else it would be the minimum of Columns (15) and (16).